जुग जुग जीवे री, यशोदा मैया तेरो ललना,
तेरो ललना री मैया, तेरो ललना,
जुग जुग जीवें री,
यशोदा मैया तेरो ललना।।

धन्य घड़ी जब होय, यशोदा मैया कहकर बोले,
नूपुर बांध दोउ चरणन में, घुटवन घुटवन डोले,
पकडे बाबा की उंगरिया, तेरो ललना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना।।

जो चाहे सो लेजा बाबा, सगरा साज लुटाऊँ,
भेष देख डरपेगो बालक, लाला नाही दिखाऊं,
मेरो छोटो सो ललनवा, झूले पलना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना ।।

आशा लेकर बड़ी दूर से, दर्शन करने आयो,
मेरो इष्ट जगत को स्वामी, तेने गोद खिलायो,
पड़े दरस बिन कल ना, तेरो ललना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना।।

जिसके चरणों की दासी, कहलाती है माया,
यशोमति माँ तू बड़भागी, तेने ऐसा लाल है पाया,
मैया तेरे कृष्णलला की, ना कोई तुलना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना।।

धन्य हुई है ये ब्रज नगरी, धन्य हुआ वृन्दावन,
पाँव तेरे कान्हा के पड़ गए, हो गई धरती पावन,
देवता भी चाहे, इनके दर्शन करना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना।।

जुग जुग जीवे री, यशोदा मैया तेरो ललना,
तेरो ललना री मैया, तेरो ललना,
जुग जुग जीवें री, यशोदा मैया तेरो ललना।।